

30/5/24

पत्रवाही (जिसका) वकील हुआपका
 हुआ गुणरुण से संबंधित वाद हुआकी
 इसका उजाह वाना में जुड़ेगा
 रिपोर्ट प्राप्त होने पर आपसी सहमति
 के आधार पर निम्नलिखित अनुमति देनी
 जाती की जाये - यकीनी प्रमाण पर आधारित
 विवेचना का दिनांक 21/7/2003 का है
 हुआ है। ऐसे में प्रमाण पर अनुमान का
 प्रमाण का कोई औचित्य नहीं है।
 वकील प्रमाण द्वारा प्रमाण पर
 अनुमान का प्रमाण परमाणु जाता है।
 पत्रवाही का नकल का एक प्रमाण
 और एक प्रमाण प्रमाण है।

निम्नलिखित आज्ञा दिनांक 30/5/24 का मुले
 प्रमाण में प्रमाण प्रमाण

(Signature)
 जयपुर नगर प्रमाण
